>

Title: Regarding 'Foreign Direct Investment' in Retail Sector in the country.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): माननीय सभापति जी, मैं देश में खुदरा व्यापार के क्षेत्र में एफडीआई के निवेश की वजह से पारम्परिक खुदरा व्यापार और रोजगार पर जो बुरा असर पड़ रहा है, उसी पर मैं बोलना चाहता हूं।

देश में खुदरा व्यापार क्षेत्र प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार देता है। गांव में, शहर में और देश के सभी हिस्सों में खुदरा व्यापार को आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। वहां पर एफडीआई के निवेश के लिए सरकार ने अनुमति दी है। इसके चलते मल्टी-नेशनल कंपनियों को सिंग्ल-ब्रांड के लिए अनुमति दी गयी थी। इसमें अपने देश की बड़ी कंपनियां रिलायंस और महिन्द्रा सरीखी कंपनियों ने प्रवेश किया था, लेकिन अब जब मल्टी-ब्रांड के लिए सरकार ने अनुमति दी है तो बड़ी-बड़ी विदेशी कंपनियां वॉलमार्ट-मेट्रो आदि कंपनियां प्रवेश करेंगी, जिसका असर हमारे देश की छोटी-छोटी दुकानों पर पड़ेगा।

भारत 120 करोड़ लोगों का देश है और इन छोटी-छोटी दुकानों के माध्यम से हमें बड़ी संख्या में रोजगार मिल रहा था लेकिन इनके आने से खुदरा व्यापार पर बुरा असर पड़ेगा और लोगों का रोजगार छिन जाएगा। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करुंगा कि खुदरा व्यापार क्षेत्र में एफडीआई की अनुमति न दे और अगर दी है तो उसके बारे में पुनर्विचार करे। मैं यह भी कहूंगा कि सरकार खुदरा व्यापार के क्षेत्र में इन छोटे दुकानदारों को कुछ आर्थिक लाभ देने की योजना बनाए क्योंकि यह उन्हें जिंदा रखने के लिए जरूरी है। खुदरा व्यापार बहुत बड़ा क्षेत्र है जिसमें लोगों को रोजगार मिलता है, एफडीआई से इस पर बुरा असर न पड़े, सरकार इसे जांच लेकर कोई निर्णय ले। धन्यवाद।

सभापति महोदय : श्री अर्जुन राम मेघवाल को माननीय हंसराज अहीर जी के विषय के साथ संलग्न किया जाता है।